आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 176 | उज्जैन, सोमवार 19 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के सम्मान में मंत्रि-परिषद की ऐतिहासिक बैठक 20 मई को होगी इंदौर के राजवाड़ा में-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार पुण्य श्लोका लोकमाता देवी अहिल्या बाई माता होल्कर का 300वां जयंती वर्ष पूरे हर्षोल्लास से मना रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन, स्वावलंबन, आत्म-निर्भरता और महिला कल्याण की मिसाल लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के पुण्य सम्मान में मध्यप्रदेश सरकार की मंत्रि-परिषद की बैठक 20 मई को इंदौर शहर के राजवाड़ा में होगी। यह पहली बार होगा, जब मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक राजवाड़ा जैसे ऐतिहासिक स्थल पर होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मीडिया के लिए जारी संदेश में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में मंत्रि-परिषद की बैठक देवी अहिल्या बाई होल्कर के गौरवपूर्ण जीवन और उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक पुण्य अवसर होगा। उन्होंने कहा कि राजवाड़ा भवन का निर्माण कार्य श्रीमंत मल्हार राव जी होलकर महाराज द्वारा प्रारंभ किया गया था, जिसे लोकमाता अहिल्या बाई माता ने पूर्ण कराया था, उसी स्थल पर अब मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित कर उन्हें नमन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में होने वाली मंत्रि-परिषद की बैठक में राज्य की जनता के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तिथि अनुसार लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर का जयंती वर्ष, विवाह वर्षगांठ (20 मई) और महाराजा श्रीमंत मल्हार राव जी होल्कर की पुण्य-तिथि, ये तीनों सुयोग एक ही समय पर आ रहे हैं, जो इस आयोजन को और भी अधिक विशेष बनाते हैं।

20 से 31 मई तक होंगे विविध आयोजन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 20 मई से 31 मई तक पूरे राज्य में अलग-अलग सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 19 मई को इंदौर में एक मंचीय कार्यक्रम होगा, जिसमें लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के जीवन के विविध पहलुओं को एक लघु नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह अद्भुत प्रस्तुति नागपुर, महाराष्ट्र से आये सुघड़ कलाकारों द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की जन्म जयंती को और अधिक स्मरणीय बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 31 मई को भोपाल में भी एक बड़ा

गंगा में विषैले रसायनों से लुप्तप्राय डाल्फिन को खतरा, प्रदूषण के लिए कई स्त्रोत जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गंगा नदी में मिले विषैले रसायनों का खतरनाक स्तर लुप्तप्राय गंगेटिक डाल्फिन के स्वास्थ्य और अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। एक वैज्ञानिक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है।

रसायनों के खतरनाक मिश्रण के संपर्क में आ रहे हैं जलीय जीव-हेलियन पत्रिका में प्रकाशित भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि मीठे पानी के ये जलीय जीव अपने भोजन के माध्यम से रसायनों के खतरनाक मिश्रण के संपर्क में आ रहे हैं। शोधकर्ताओं ने गंगेटिक डाल्फिन द्वारा खाए जाने वाली मछली की प्रजातियों में 39 प्रकार के अंतःस्त्रावी-विघटनकारी रसायनों का विश्लेषण किया। अध्ययन के अनुसार, निष्कर्षों से पता चला कि डाल्फिन द्वारा शिकार की जाने वाली मछलियों में औद्योगिक प्रदूषक डाई (टू-एथिलहेक्सिल) फथलेट (डीईएचपी) और डाई एन ब्यूटाइल फथलेट (डीएनबीपी) जैसे महत्वपूर्ण जैव संचयन होते हैं। अध्ययन में बताया गया कि इन मछलियों में डीडीटी और लिंडेन जैसे प्रतिबंधित कीटनाशकों के अवशेष भी मिले हैं, जो गंगा बेसिन में पर्यावरण नियमों को खराब तरीके से लागू किये जाने की ओर इशारा करते हैं।

तकनीकी खराबी के कारण EOS-09 सैटेलाइट की लॉन्चिंग हुई असफल, ISRO ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरो अपनी 101वीं ऐतिहासिक लॉन्चिग के दौरान बड़ा झटका लगा है। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 101वां मिशन ईओएस-09 लॉन्च होने के कुछ समय बाद नाकाम हो गया। उन्होने बताया कि उड़ान के तीसरे चरण के दौरान एक तकनीकी समस्या उत्पन्न होने के बाद मिशन पूरा नहीं हो सका।

इसरो चीफ ने जारी किया बयान- अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा कि इसरो रविवार को पीएसएलवी-सी61 रॉकेट पर पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का प्रक्षेपण नहीं कर सका, क्योंकि इसके तीसरे चरण में कुछ तकनीकी खामी आ गई थी, जिसका अवलोकन किया जा रहा है।

इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा कि आज हमने PSLV-C61 के प्रक्षेपण का प्रयास किया। इसमें चार चरण होते हैं। पहले 2 चरणों में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन रहा। तीसरे चरण के दौरान हमने अवलोकन देखा... मिशन पूरा नहीं हो सका।

भारत-पाक सीजफायर पर भारतीय सेना ने दिया अपडेट, बताया कब तक जारी रहेगा संघर्ष विराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कई दिनों से कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस खबर की चर्चा थी कि 18 मई तक ही भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम है।

लेकिन अब सेना ने इन खबरों को लेकर बयान जारी किया है। भारतीय सेना ने यह साफ कर दिया है कि 18 मई को डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस लेवल की कोई वार्ता निर्धारित नहीं है।

सेना ने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात की चर्चा थी की 18 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच का सीजफायर समाप्त हो जाएगा। इस खबर के बाद से कई लोगों में भ्रम की स्थिति बन गई थी। हालांकि, सेना ने अब स्पष्ट बयान जारी कर बताया है कि दोनों देशों के बीच संघर्म विराम के समाप्त होने की खबर पूरी तरह से गलत है।

बातचीत नहीं है निर्धारित- भारतीय सेना ने कहा कि कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा यह भी दावा किया जा रहा था कि भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ लेवल की बातचीत 18 मई के लिए निर्धारित है। लेकिन ऐसी कोई बातचीत निर्धारित नहीं है।

सेना ने यह भी स्पष्ट किया कि 12 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ के बात हुई थी और सीजफायर को लेकर सहमति बनी थी। उसकी कोई समाप्ती तिथि निर्धारित नहीं की गई है। यानी यह अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा।

क्या है मामला- दरअसल, पिछले कुछ दिनों से कुछ मीडिया हाउस में यह खबर फैलाई जा रही थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच का सीजफायर 18 मई को समाप्त हो जाएगा।

भारत सरकार का बड़ा फैसला, 40000 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन सिंदूर के बीच रक्षा बलों को हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए लगभग 40,000 करोड़ रुपये की बड़ी मदद मिलने वाली है। निगरानी ड्रोन, अत्याधुनिक घातक ड्रोन खरीदे जाएंगे- रक्षा अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने अपनी बैठक में आपातकालीन शक्तियों के तहत अधिग्रहणों को मंजूरी दी। इस बैठक में रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

सेना आपातकालीन शक्तियों के तहत निगरानी ड्रोन, अत्याधुनिक घातक ड्रोन, लंबी दूरी के मारक हथियार, तोपखाने के लिए गोला-बारूद, विभिन्न प्रकार की वायु रक्षा प्रणाली एवं मिसाइल और राकेट जैसे उपकरण खरीदने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

आपातकालीन खरीद शक्तियों की यह पांचवीं किस्त- सेना ने पाकिस्तान में लक्ष्यों पर ब्रह्मोस और स्कैल्प क्रूज मिसाइलों की बौछार की थी। जिन उपकरणों के लिए सौदे हो रहे हैं, उन्हें सुरक्षा बलों को तय समय सीमा के भीतर आपातकालीन शक्तियों के तहत प्राप्त करना होगा। पिछले पांच वर्षों में रक्षा बलों को दी गई आपातकालीन खरीद शक्तियों की यह पांचवीं किस्त है।

सूत्रों ने बताया कि खरीद का काम रक्षा वित्त शाखा के वित्तीय सलाहकारों की मदद से सेना द्वारा किया जाएगा।

पाकिस्तानियों को भारतीय नंबर वाले वाट्सएप अकाउंट उपलब्ध कराने वाला गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम पुलिस ने शनिवार को दावा किया कि उसने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो पाकिस्तानियों समेत साइबर अपराधियों को मोबाइल फोन कनेक्शन मुहैया कराता था। इसकी मदद से लोगों को ठगने के लिए वे वाट्सएप अकाउंट खोलते थे। इस गिरोह के सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

डीजीपी हरमीत सिंह ने कहा कि असम, राजस्थान और तेलंगाना से संचालित होने वाले रैकेट के बारे में सैन्य खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन घोस्ट सिम शुरू किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर और विकास को एक साथ शोकेस करेगी मोदी सरकार, विपक्ष को जवाब देने की रणनीति तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जातिवार जनगणना पर महीनों से चल रही सियासी कबड्डी के बीच ऑपरेशन सिंदूर ने फिलहाल तो देश और राजनीति का मूड-मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। यही कारण है कि भाजपा देशभर में तिरंगा यात्रा निकाल रही है तो कांग्रेस जय हिंद सभा करने जा रही है।

इस बीच मोदी सरकार भी पूरी तरह तैयार है। वह विकसित भारत के संकल्प को लेकर अपनी सभी राज्यों के साथ एकजुट प्रतिबद्धता जताते हुए तमाम योजनाओं की प्रगति के सहारे विकास का शोकेस दिखाना चाहती है तो साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के सार्थक परिणामों को विमर्श में लाकर राष्ट्रवाद की झांकी दिखाने का भी प्रयास है।

विपक्ष इन मुद्दों को दे रहा तूल- ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का राजनीतिक प्रभाव क्या होगा, यह भविष्य तय करेगा। मगर, इसमें संभवत- किसी भी दल को संदेह नहीं है कि पाकिस्तान और उसके संरक्षण में पल रहे

आतंकियों पर प्रहार कर भारतीय सेनाओं ने जोश-जुनून और भावनाओं का ऐसा ज्वार उठा दिया है, जिसमें सारा देश डूबा दिखाई दे रहा है। इसके सहारे राष्ट्रवाद की लहर उठी है तो लहरकाट के प्रयासों में लगा विपक्ष सीजफायर में अमेरिकी हस्तक्षेप जैसे मुद्दों को तूल देना चाहता है।

निस्संदेह अन्य दलों की तरह इन परिस्थितियों से निपटने के लिए अन्य पार्टियों की तरह भाजपा संगठन की भी तैयारी है, लेकिन इस पूरे ऑपरेशन की कमान संभालने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी नहीं चाहते कि इस सफल सैन्य अभियान की सफलता पर भ्रामक प्रहार कर विपक्ष जनता को गुमराह कर पाए। सूत्रों ने बताया कि इसके लिए सरकार की ओर से तैयारी कर ली गई है। 24 मई को नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी करेंगे।

ये लोग बैठक में हैं आमंत्रित- इस बैठक में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और सदस्य आमंत्रित हैं। एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं है, लेकिन बताया जा रहा है कि इसमें 2047 तक विकसित भारत बनाने के मोदी सरकार के संकल्प में राज्यों की साझा भूमिका सहित खास तौर पर ग्रामीण विकास की उपलब्धियों पर चर्चा संभावित है। इसके माध्यम से सरकार संदेश देगी कि सरकार सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर चलते हुए देश के समग्र विकास के ध्येय पर चल रही है।

कंगाल पाकिस्तान को कर्ज देकर टेंशन में आया IMF

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को कुछ दिनों पहले इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (ढ्ढख्त्र) से 1 बिलियन डॉलर का कर्ज मिला था। आतंकियों को पोषित करने वाले पाकिस्तान को पैसे दिए जाने पर आईएमएफ की कार्यवाही पर सवाल खड़े होने लगे थे। वहीं, अब आईएमएफ को डर सताने लगा है कि कहीं पाकिस्तान को दिए पैसे डूब न जाए, इसलिए संस्था ने एक बड़ा कदम उठाया है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए अपने राहत कार्यक्रम की अगली किस्त जारी करने से पहले 11 नई शर्तें लागू की हैं। वहीं, आईएमएफ ने भारत-पाकिस्तान तनाव को आर्थिक कार्यक्रम के लिए गंभीर जोखिम बताया है।

आइए अब उन शर्तों को भी जान लें जो आईएमएफ ने पाकिस्तान पर लागू की।

अगले वित्त वर्ष के लिए 17,600 अरब रुपये के नए बजट को संसद से पारित करना अनिवार्य होगा।

बिजली बिलों में वृद्धि करनी होगी।

तीन साल से अधिक पुरानी पुरानी कारों के आयात पर प्रतिबंध हटाना होगा।

चार संघीय इकाइयों द्वारा नया कृषि आयकर कानून लागू करना, जिसमें करदाता पहचान, रिटर्न प्रोसेसिंग, अनुपालन सुधार करना है।

देश में संचार अभियान को मजबूत करना होगा।

IMF सिफारिशों के आधार पर संचालन सुधारों के कामकाज को दिखाना होगा।

2027 के बाद की वित्तीय क्षेत्र की रणनीति तैयार कर उसे सार्वजनिक करना होगा।

ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी चार अतिरिक्त शर्तें भी लगाई गई है, जिनमें टैरिफ निर्धारण, वितरण सुधार और वित्तीय पारदर्शिता शामिल हैं।

रक्षा बजट में लगातार बढ़ोतरी कर रहा पाकिस्तान - महंगाई और कमजोर अर्थव्यवस्था की मार झेल रहा पाकिस्तान लगातार अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी कर रहा है। पाकिस्तान का आगामी रक्षा बजट 2,414 अरब रुपये है, जो पिछले वर्ष से 12 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, शहबाज सरकार ने इस महीने की शुरुआत में 2,500 अरब रुपये (18 प्रतिशत वृद्धि) की है। आशंका है कि पाकिस्तान के इस फैसले पर आईएमएफ नाराजगी जाहिर कर सकता है।

आतंकवादियों को फंडिंग दे रही पाकिस्तान सरकार- भले ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर का कर्ज दे दिया, लेकिन भारत का कहना है कि पाकिस्तान इस पैसे का गलत इस्तेमाल करने वाला है। हाल ही में पाकिस्तान के मंत्री तनवीर हुसैन ने मुरीदके का दौरा किया था। मुरीदके उन नौ आतंकी ठिकानों में से एक है, जहां ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया। हुसैन ने कहा था कि सरकार अपने खर्च पर इस इलाके को पुनर्निर्माण करेगी।

भारत की नकल कर शहबाज शरीफ ने बनाई टीम, विदेशों में जाएगा PAK का प्रतिनिधिमंडल; फिर भी आतंकिस्तान का झूठ होगा बेनकाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकियों को गहरी चोट पहुंचाई है और अब इसकी शानदार सफलता के बाद, भारत सरकार ने पाकिस्तान को विश्व स्तर पर आतंकवाद के मुद्दे को लेकर बेनकाब करने का प्लान तैयार किया है। भारत सरकार ने 40 सांसदों की एक टीम बनाई है, जिसे 7 डेलिगेशन में बांटा है।

भारत की नकल करने पर उतरा पाक- भारत के 40 सांसदों की ये टीम दुनिया के अलग-अलग देशों का दौरा करेगी और वैश्विक मंच पर ये बताएगी कि कैसे पाकिस्तान आतंकवाद का बड़ा गढ़ है। भारत की नकल करते हुए पाकिस्तान ने भी एक टीम बनाई है, जिसका मुखिया पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को बनाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान का पक्ष रखने के लिए शनिवार को पाकस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए बिलावल भुट्टो को जिम्मेदारी सौंपी है।

क्या है पाकिस्तान की रणनीति- पाकिस्तान ने बिलावल के नेतृत्व में जो टीम बनाई है, उसमें पूर्व मंत्री खुर्रम दस्तगीर खान, हिना रब्बानी खार और पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी शामिल हैं।

प्रतिनिधिमंडल की कमान मिलने के बाद बिलावल ने एक पोस्ट में कहा, ÷पीएम शहबाज शरीफ ने मुझसे अंतरराष्ट्रीयमंच पर शांति के लिए पाकिस्तान का पक्ष रखने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का अनुरोध किया है। मैं इस जिम्मेदारी को स्वीर करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

बता दें, भारत ने शनिवार को ही अपने डेलिगेशन और अपनी कूटनीतिक योजना की घोषणा कर दी थी। अब पाकिस्तान ने नकल करते हुए वैश्विक मंच पर अपना डेलिगेशन भेजने का प्लान बनाया है।

एर्दोगन ने अचानक क्यों पकड़ ली इमैनुएल मैक्रों की उंगली? हैरान रह गए फ्रांस के राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने एक ऐसी हरकत की है, जिससे सोशल मीडिया पर उनकी जग हंसाई हो रही है। दरअसल, अल्बानिया में यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी (ईपीसी) समिट के दौरान उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की उंगली (मिडिल फिंगर) पकड़ ली। काफी देर तक वो मैक्रों की फिंगर पकड़े रहे। एर्दोगन के इस रवैये से मैक्रों असहज हो गए। इसके बाद मैक्रों बिना सोचे-समझे अपना दूसरा हाथ एर्दोगन की तरफ बढ़ाते है। मैक्रों अपना हाथ छुड़ाने की कोशिश करते हैं तो एर्दोगन उनसे कुछ बोलते हैं और उनकी इंडेक्स फिंगर पकड़ लेते हैं। थोड़ी देर एर्दोगन से मैक्रों कुछ कहते हैं, फिर जाकर तुर्किये की राष्ट्रपति उनकी फिंगर छोड़ देते हैं।

तुर्किये की मीडिया ने क्या कहा- हालांकि, तुर्किये की मीडिया और कुछ लोगों का कहना है कि ऐसा करने एर्दोगन ने तुर्किये की पावर को दिखाना चाहा। एक तुर्किये मीडिया आउटलेट ने लिखा, मैक्रों ने तुर्किये के राष्ट्रपति के कंधे पर अपना हाथ रखकर मनोवैज्ञानिक तौर पर अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की, लेकिन एर्दोगन ने उनकी उंगली कसकर पकड़ कर दिखाया कि फ्रांस, तुर्किये को कमजोर न समझे।

यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, रूस ने दागे 273 ड्रोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच करीब तीन साल से युद्ध चल रहा है। एक तरफ जहां तुर्किये में रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता चल रही है। वहीं, रूस ने यूक्रेन पर अब तक की सबसे बड़ी ड्रोन बमबारी की है।

यूक्रेन ने आरोप लगाया कि रूस की ओर से किया गया यह सबसे बड़ा ड्रोन हमला है। इस हमले में एक महिला की मौत हो गई है।

इन क्षेत्रों को बनाया गया निशाना- यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी कि इस रूस ने 273 ड्रोन दागे थे। उनमें से 88 ड्रोन को मार गिराया गया। यूक्रेन की वायु सेना के मुताबिक, रूस ने ज्यादातर हमले के कीव के केंद्रीय क्षेत्र और दिनप्रोपेट्रोव्स्क और डोनेट्स्क क्षेत्रों में किया।

युद्धबंदियों की अदला-बदली पर बनी सहमति- बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच हुई शांति वार्ता महज दो घंटे से भी कम समय में समाप्त हो गई। इस वार्ता में महज 1,000-1,000 युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमति बनी। हालांकि, युद्ध विराम को लेकर कोई सहमति नहीं बनी।

बता दें कि रूस लगातार कह रहा है कि यूक्रेन नाटो सदस्यता में शामिल होने की मंशा छोड़ दे।

गाजा से हमास के खात्मे तक नहीं रुकेगा इजरायल, ताजा हमलों में 250 मरे; कतर में युद्धविराम पर शुरू हुई वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया छोड़ते ही इजरायल ने गाजा में सैन्य अभियान तेज कर दिया है। गाजा में इजरायल के दो दिनों के हमलों में 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मृतकों में जबालिया शरणार्थी शिविर के एक टेंट में मरे चार बच्चे भी शामिल हैं।

गाजा से हमास के खात्मे तक नहीं रुकेगा इजरायल- इस बीच कतर की राजधानी दोहा में युद्धविराम को लेकर इजरायल और हमास में परोक्ष वार्ता भी शुरू हो गई है। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि ऑपरेशन गिडिआन चैरियट्स का उद्देश्य गाजा से हमास के खात्मे का है।

इस दौरान इजरायली सेना करीब दो दर्जन बंधकों को हमास की कैद से मुक्त कराने के लिए हर संभव कोशिश करेगी। इन लोगों को हमास के लड़ाकों ने सात अक्टूबर, 2023 को इजरायली शहरों से अगवा करके बंधक बना रखा है।

इजरायल ने रोके खाद्य सामग्री के ट्रंक - हमास पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से इजरायली सेना गाजा में ढाई महीने से खाद्य सामग्री, पेयजल, दवाओं और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति रोके हुए हैं। गाजा की सीमा पर आवश्यक सामग्री लिए करीब नौ हजार ट्रक खड़े हुए हैं। इसके चलते गाजा में 20 लाख से ज्यादा की आबादी के लिए एक-एक पल काटना मुश्किल हो रहा है।

इजरायल पर गाजा में नरसंहार की कोशिश का आरोप- संयुक्त राष्ट्र सहित कई वैश्विक संगठनों ने गाजा में बच्चों, किशोरों और महिलाओं के कुपोषण का शिकार होने की बात कही है, साथ ही भुखमरी की आशंका जताई है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता कार्यक्रम के प्रमुख टाम फ्लैचर ने इजरायल पर गाजा में नरसंहार की कोशिश का आरोप लगाया है।

फिनलैंड में हवा में दो हेलीकॉप्टर की हुई भीषण टक्कर, 5 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिनलैंड में एक बड़ी दुर्घटना घटी है, जहां हवा में दो हेलिकॉप्टरों की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों हेलिकॉप्टर जमीन पर गिरकर क्रैश हो गए।

पुलिस ने बताया कि इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के वक्त दोनों हेलिकॉप्टर में पांच लोग ही सवार थे।

बचाव व जांच कार्य है जारी- हादसे को लेकर पुलिस ने बयान जारी कर कहा, इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है। पीड़ितों की पहचान की जा रही है और पुलिस व अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचकर बचाव व जांच कार्य में जुटी हुई है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन दोनों हेलिकॉप्टर्स ने एस्टोनिया से उड़ान भरी थी और इनमें कुछ व्यवसायी सवार थे। एक हेलिकॉप्टर में तीन लोग बैठे थे और दूसरे में दो लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि यह हादसा फिलनैंड के कौटुआ शहर के पास दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में यूरा हवाई अड्डे के पास एक जंगली इलाके में हुई है।

चीफ इंस्पेक्टर का बयान- नेशनल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर जोहान्स सिरिला ने बताया, शनिवार को यूरा हवाई अड्डे के पास दो हेलिकॉप्टर के आपस में टकराने से पांच लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दोनों हेलिकॉप्टर फिनलैंड के बाहर पंजीकृत थे।

ट्रंप की खिसियाहट, परमाणु युद्ध रुकवाया पर नहीं मिला श्रेय; भारत-पाकिस्तान पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान से बातचीत करना और उन्हें संकट से उबारना मेरे लिए बहुत बड़ी सफलता है, जिसका उचित श्रेय मुझे कभी नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बहुत नफरत थी और तनाव इस हद तक बढ़ गया था कि इसका अगला चरण संभवत- परमाणु युद्ध हो सकता था।

दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न देश- फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी सफलता है। ये दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और वे गुस्से में थे।

ट्रंप की मध्य-पूर्व की यात्रा से पूर्व जब उनसे विदेश नीति की कुछ सफलताओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के नेताओं से सीधे बातचीत की थी और तनाव को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका की ओर से मध्यस्थता की गई थी।

भारत और पाकिस्तान को ट्रंप ने फोन किया- उन्होंने कहा कि जब तनाव बढ़ रहा था, मिसाइलों का इस्तेमाल हो रहा था और टकराव ÷जैसे को तैसा की दिशा में जा रहा था, तब उन्होंने हस्तक्षेप किया और हालात को बिगड़ने से रोका। साक्षात्कार में जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने भारत और पाकिस्तान को फोन किया, तो इसके जवाब में ट्रंप ने जवाब दिया, हां, मैंने किया।

भारत में आईफोन का दूसरा प्लांट तैयार, फॉक्सकॉन जून से शुरू करेगी शिपमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईफोन को लेकर भारत के लिए एक अच्छी खबर सामने आ रही है। भारत में आईफोन बनाने का दूसरा प्लांट भी तैयार हो चुका है। ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन इसी साल जून के महीने से भारत में बने आईफोन की शिपमेंट शुरू कर सकती है।

कर्नाटक के वाणिज्य एंव उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु के देवनहल्ली में बना फॉक्सकॉन का नया प्लांट लगभग तैयार है। जून की शुरुआत में आईफोन की कमर्शियल सप्लाई शुरू हो सकती है।

बता दें कि ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर आईफोन बनाती है। वहीं, फॉक्सकॉन ने आईफोन की मैन्यूफैक्चरिंग के लिए देवनहल्ली के सूचना प्रौद्योगिरी निवेश क्षेत्र में 300 एकड़ जमीन पर अपना नया प्लांट स्थापित किया है।

कर्नाटक के मंत्री ने किया एलान- एमबी पाटिल का कहना है कि एप्पल के सीईओ टिम कुक ने ज्यादातर आईफोन भारत में बनाने का फैसला किया है। यहां तक कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन भारत में ही बनेंगें। एमबी पाटिल के अनुसार, कर्नाटक पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोर रहा है और एक कन्नण व्यक्ति के रूप में यह मेरे लिए गर्व की बात है।

कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा- फॉक्सकॉन का यह कदम न सिर्फ मैन्यूफैक्चरिंग में मील का पत्थर साबित होगा बल्कि इससे रणनीतिक बदलाव भी देखने को मिलेगा। भारत जल्द ही आईफोन के उत्पादन का केंद्र बन जाएगा। इससे वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में कर्नाटक की स्थिति मजबूत होगी और भारत में विदेशी निवेश के रास्ते खुलेंगे।

तुर्किये को भारी पड़ रहा पाकिस्तान का समर्थन, IIT बॉम्बे ने किया सभी समझौते रद करने का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का समर्थन तुर्किए के लिए घाटे का सौदा साबित हो रहा है। भारत में एक के बाद एक तुर्किए के लिए कमाई के सारे अवसर बंद हो रहे हैं। एयरलाइंस से लेकर IIT तक तुर्किए की कंपनी और संस्थाओं के साथ किए गए समझौते रद किए जा रहे हैं। अब इस लिस्ट में IIT बॉम्बे का नाम भी शामिल हो चुका है।

IIT बॉम्बे ने तुर्किए की एक यूनिवर्सिटी के साथ किए गए सारे समझौते रद कर दिए हैं। IIT बॉम्बे ने एक्स पर पोस्ट शेयर करके इसकी जानकारी दी है।

IIT बॉम्बे ने दी जानकारी- IIT बॉम्बे ने एक्स पर लिखा कि, वर्तमान में तुर्किए के साथ जो भूराजनीतिक परिस्थितियां बनी हैं, उन्हें देखते हुए IIT बॉम्बे ने तुर्किए के विश्वविद्यालय के साथ किए गए सारे समझौते रद कर दिए हैं। अगला आदेश आने तक यह फैसला लागू रहेगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद उठाया कदम- बता दें कि IIT बॉम्बे ने तुर्किए की यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर फैकेल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम चलाया था। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्किए ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया, जिसके बाद भारत में तुर्किए के लिए व्यापार के रास्ते धीरे-धीरे बंद होने लगे हैं।

स्पॉन्सर्ड ट्रिप पर जाती थी पाकिस्तान, ज्योति मल्होत्रा को लेकर पुलिस ने और क्या कहा?

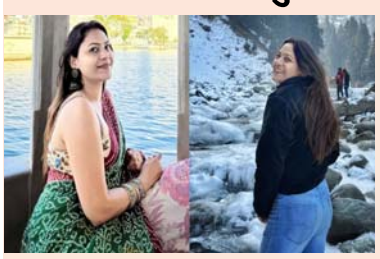

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब और हरियाणा पुलिस ने कुछ लोगों को पाकिस्तान के खुफिया जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनमें मशहूर यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा का भी नाम शामिल है। ज्योति हरियाणा की हिसार की रहने वाली हैं। फिलहाल वह पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि वह पाकिस्तान अधिकारियों का साथ संपर्क में थीं और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी उन्होंने काफी जानकारी साझा की है।

हिसार के एसपी शशांक कुमार सावन ने इस पर में जानकारी देते हुए कहा, आधुनिक जंग सिर्फ सरहद पर ही नहीं लड़ी जाती। पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी कुछ सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर को भर्ती करने की कोशिश कर रहे हैं और वे इसका इस्तेमाल अपने नैरेटिव को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं। हिसार के एसपी ने कहा, वे उसे (ज्योति मल्होत्रा) एक एसेट के तौर पर डेवलप कर रहे थे। वह अन्य यूट्यूब इंफ्लूएंसर्स के संपर्क में थी, और वे भी पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में थे। वह स्पॉन्सर्ड ट्रिप पर पाकिस्तान जाती थी। वह पहलगाम हमले से पहले पाकिस्तान में थी और यदि कोई संबंध है, तो उसे स्थापित करने के लिए जांच जारी है। हम भी जांच कर रहे हैं, क्योंकि हमारे पास सुराग हैं कि अन्य लोग भी उसके साथ शामिल थे।

तमिलनाडु के वलपराई में 20 फीट खाई में गिरी बस, 30 यात्री घायल; 72 लोग थे सवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के वलपराई के पास एक बस दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में 30 लोग घायल हो गए।

वलपराई घाट सेक्शन की घुमावदार पहाड़ी सड़कों के किनारे कावर्स एस्टेट इलाके के पास तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम की एक बस के पलट जाने के बाद 20 फीट गहरी खाई में गिर जाने से यह हादसा हुआ है।

बताया जा रहा है कि बस में 72 यात्री सवार थे और यह बस तिरुप्पुर से पलपराई जा रही थी। पहाड़ी इलाके में चालक ने अचानक कंट्रोल खो दिया, जिसके बाद यह घटना घटी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। हालांकि, इस घटना में सभी यात्रियों की जान बच गई।

स्थानीय लोगों ने की मदद - घटना की सूचना मिलने के बाद वलपराई पुलिस और 108 एंबुलेंस सेवाओं ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बचान अभियान शुरू किया। स्थानीय निवासियों की मदद से आपातकालीन सेवा कर्मियों ने पहाड़ी इलाके में बचाव कार्य करते हुए घायलों को मलबों से निकाला और उन्हें वलपराई अस्पताल में भर्ती कराया।

इस घटना में बस चालक गणेश को गंभीर चोटें आईं और उसे बेहतर इलाज के लिए पोलाची सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पातल सूत्रों के अनुसार, चालक की हालत अब स्थिर है, लेकिन उसे अभी चिकित्सकीय निगरानी में ही रखा जाएगा।

कैसे घटी घटना - वलपराई सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि अधिकांश घायलों की हालत स्थिर है और उनको लगी थोड़ी-बहुत चोटों का इलाज किया जा रहा है। अधिक गंभीर चोट वाले यात्रियों को अन्य अस्तपालों में बेहतर इलाज के लिए भेजा गया है।

अधिकारियों ने दुर्घटना का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पता चल रहा है कि सुबह के वक्त ज्यादा रोशनी नहीं होने के कारण और सड़क पर फिसलन होने के कारण घटना घटी है।

मणिपुर में 350 से अधिक उग्रवादी गिरफ्तार, कोड के जरिए लोगों से करते थे जबरन वसूली; कई प्रतिबंधित संगठनों पर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने 350 से अधिक उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये उग्रवादी वैवाहिक विवादों को सुलझाने के लिए जबरन वसूली कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि इन उग्रवादियों को फरवरी में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद पकड़ा गया था। प्रशासन ने लोगों को से कहा है कि जबरन वसूली के किसी भी मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उग्रवादियों की सहायता करने वालों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। ये गिरोह पारिवारिक झगड़े और वैवाहिक विवाद सुलझाते हैं और इसके बदले एक कीमत चुकानी पड़ती है।

टेक्नोलॉजी का कर रहे दुरुपयोग- हाल ही में पुलिस ने इंफाल ईस्ट से टाइगर नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। बाद में उसकी पहचान यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट से जुड़े लैशराम रमेश सिंह के रूप में हुई। उस पर सरकारी अधिकारियों को डरा-धमका कर वसूली करने का आरोप है। पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल किया है। वसूली के लिए वह तकनीक का दुरुपयोग करते थे। उग्रवादी दूसरे राज्यों से फर्जी दस्तावेज के आधार पर सिम हासिल कर लेते थे। इसके बाद उनके व्हाट्सएप और टेलीग्राम बनाया जाता था। इसके जरिए पीड़ितों को कॉल कर कोड बताया जाता था और कहा जाता था कि ऐसा ही कोड दिखाने वाले व्यक्ति को पैसे दे दिए जाएं।

बता दें कि इस साल फरवरी में एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। लेकिन उग्रवादी इसके बावजूद बड़े पैमाने पर वसूली कर रहे हैं। इसमें प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, कांगलेई यावोल कानबा लूप और पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक शामिल हैं।

हम लोगों को नहीं बचा सके..., हैदराबाद की एक इमारत में भीषण आग, 8 बच्चे समेत 17 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद में रविवार सुबह गुलजार हाउस नामक इमारत भीषण आग की चपेट में आ गयी। ये हादसा इतना गंभीर था कि इसने 17 लोग की जान ले ली, इसमें 8 बच्चों की भी जान चली गई। एक चश्मदीद ने बताया कि आग मुख्य रूप से इमारत के पिछले हिस्से में लगी थी।

इस हादसे के चश्मदीद जाहिद ने इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए स्थानीय लोगों के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, हम मेन गेट से इमारत में दाखिल नहीं हो सकते थे क्योंकि यह हिस्सा आग की लपटों से घिरी हुई थी, इसलिए हमने अंदर जाने के लिए शटर तोड़ दिया। फिर हम में से पांच से छह लोग दीवार तोड़कर पहली मंजिल में घुसे। लेकिन पूरी जगह आग की लपटों में घिर चुकी थी। पुलिस और दमकलकर्मियों ने अच्छा काम किया और पूरा सहयोग किया। लेकिन भीषण आग के कारण हम लोगों को नहीं बचा सके।

उन्होंने कहा, आग मुख्य रूप से घर के पीछे लगी थी और वहां तक पहुंचने के लिए कोई पिछला दरवाजा नहीं था... सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे... हां, दमकल गाड़ियां थोड़ी देर से पहुंचीं, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि वह (दमकल कर्मी) पहली मंजिल तक नहीं पहुंच सके। फायर ब्रिगेड विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लगी। तेलंगाना आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा के महानिदेशक वाई नागी रेड्डी ने बताया कि सभी 17 लोगों की मौत का कारण धुंआ अंदर लेना था, किसी को भी जलने की चोट नहीं आई।

तेलंगाना अग्नि आपदा प्रतिक्रिया आपातकालीन और नागरिक सुरक्षा द्वारा जारी 17 मृतकों की लिस्ट में 10 वर्ष से कम उम्र के आठ बच्चों के नाम शामिल हैं। सूची में सबसे कम उम्र के बच्चे की पहचान प्रथन (1.5 वर्ष) के रूप में हुई है। सात अन्य बच्चों की पहचान हमी (7), प्रियांश (4), इराज (2), आरुषि (3), ऋषभ (4), अनुयान (3) और इद्रू (4) के तौर पर हुई है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण सप्तमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

सिन्दूर-सिंदूर की नायिकाओं वियोमिका और सोफिया की साहसिक कहानियों का प्रतीक बन गया है...

सिन्दूर, जो कभी सिर्फ वैवाहिक प्रेम का प्रतीक था, आज ऑपरेशन सिंदूर की नायिकाओं वियोमिका और सोफिया की साहसिक कहानियों का प्रतीक बन गया है। ये महिलाएं सिर्फ सजी-धजी मूरतें नहीं, बल्कि अदम्य साहस, बलिदान और नारी शक्ति का जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने न केवल अपने हौसले से दुश्मनों को मात दी, बल्कि यह भी दिखाया कि सिन्दूर का यह लाल रंग नारी के आत्मसम्मान और स्वाभिमान की ज्वाला है। यह सिन्दूर अब केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण और शौर्य की अनूठी कहानी है।

सिन्दूर, जो प्राचीन काल से भारतीय नारी के वैवाहिक जीवन का प्रतीक रहा है, आज एक नए अर्थ में उभर रहा है। यह केवल सुहाग का प्रतीक नहीं, बल्कि नारी शक्ति, साहस और स्वाभिमान का प्रतीक बनता जा रहा है। यह बदलाव केवल एक सांस्कृतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है। भारतीय समाज में सिन्दूर का स्थान अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह न केवल पति की लंबी उम्र की कामना है, बल्कि पति-पत्नी के बीच के अटूट बंधन का प्रतीक भी है। लेकिन बदलते समय के साथ, सिन्दूर अब केवल एक पारंपरिक श्रृंगार का हिस्सा नहीं रह गया है। यह आज की नारी की स्वतंत्रता, स्वाभिमान और साहस का भी प्रतीक बन चुका है।

प्राचीन ग्रंथों में सिन्दूर को सौभाग्य, प्रेम और आस्था का प्रतीक माना गया है। लेकिन जब हम इतिहास के पन्नों में झांकते हैं, तो हमें ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहां सिन्दूर केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि शौर्य और बलिदान का प्रतीक भी बना। रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, पद्मावती जैसी वीरांगनाओं ने अपने सिन्दूर की लाज के लिए तलवार उठाई, अपने प्राणों की आहुति दी। ये उदाहरण दिखाते हैं कि सिन्दूर केवल सौंदर्य का नहीं, बल्कि स्वाभिमान और आत्मबल का प्रतीक भी है। आज की नारी भी इसी भावना से ओतप्रोत है। वह केवल एक पत्नी, मां या बहू तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की रीढ़ है। वह हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है - चाहे वह खेल का मैदान हो, युद्ध का मैदान हो, या फिर राजनीति की गूंज। मिताली राज, मेरी कॉम, नीरज चोपड़ा जैसी खिलाड़ियों ने सिन्दूर के प्रतीक को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उनकी सफलता की कहानियां हमें यह सिखाती हैं कि सिन्दूर न केवल परिवार का सम्मान है, बल्कि आत्मसम्मान का प्रतीक भी है।

इस भावना को हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर ने भी बल दिया, जिसमें वियोमिका और सोफिया जैसी बहादुर महिलाओं ने अपने साहस और संघर्ष से यह साबित किया कि सिन्दूर केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि अदम्य साहस का प्रतीक है। इन वीरांगनाओं ने न केवल अपने कर्तव्य का निर्वाह किया, बल्कि समाज की धारणाओं को भी चुनौती दी। यह परिवर्तन केवल महिलाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर कोने में महसूस किया जा रहा है। सिन्दूर अब केवल पवित्रता का नहीं, बल्कि प्रतिरोध का प्रतीक भी है। यह उन महिलाओं की आवाज है जो अन्याय के खिलाफ उठ खड़ी होती हैं, अपने हक के लिए लड़ती हैं, और समाज की बंधी-बंधाई धारणाओं को तोड़ती हैं।

यह बदलाव फिल्मों और साहित्य में भी साफ दिखाई देता है। जैसे कि फिल्म मणिकर्णिका में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का सिन्दूर केवल श्रृंगार का नहीं, बल्कि स्वाभिमान और संघर्ष का प्रतीक है। इसी तरह, कई वेब सीरीज और कहानियां भी सिन्दूर को एक नई परिभाषा दे रही हैं। समाज का यह नया दृष्टिकोण नारी के प्रति उसकी बदलती सोच का प्रतीक है।

नीलम संजीव रेड्डी

नीलम संजीव रेड्डी भारत के छठे राष्ट्रपति के रूप में जाने जाते है। नीलम संजीव रेड्डी भारत के ऐसे राष्ट्रपति थे जिन्हें राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होते हुए प्रथम बार विफलता प्राप्त हुई और दूसरी बार उम्मीदवार बनाए जाने पर राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। प्रथम बार इन्हें वी. वी. गिरि के कारण बहुत कम अंतर से हार स्वीकार करनी पड़ी थी। तब यह कांग्रेस द्वारा राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनाए गए थे और अप्रत्याशित रूप से हार गए। दूसरी बार गैर कांग्रेसियों ने इन्हें प्रत्याशी बनाया और यह विजयी हुए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जब वी. वी. गिरि को राष्ट्रपति चुनाव जीतने में सफलता प्रदान कराई, तब यह लगा था कि नीलम संजीव रेड्डी ने एक ऐसा मौक़ा गंवा दिया है, जो अब उनकी ज़िन्दगी में कभी नहीं आएगा। लेकिन राजनीति के पण्डितों के अनुमान और दावे धरे रह गए। भाग्य की शुभ करवट ने नीलम संजीव रेड्डी जैसे हारे हुए योद्धा को विजयी योद्धा के रूप में परिवर्तित कर दिया। यह भारतीय राजनीति के ऐसे अध्याय बनकर सामने आए, जो अनिश्चितता का प्रतिनिधित्व करते नज़र आते हैं। संजीव रेड्डी भारत के एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे, जो निर्विरोध निर्वाचित हुए।

जीवन परिचय- नीलम संजीव रेड्डी का जन्म 19 मई, 1913 को इल्लुर ग्राम, अनंतपुर ज़िले में हुआ था, जो आंध्र प्रदेश में है। आंध्र प्रदेश के कृषक परिवार में जन्मे नीलम संजीव रेड्डी की छवि कवि, अनुभवी राजनेता एवं कुशल प्रशासक के रूप में थी। इनका परिवार संभ्रांत तथा भगवान शिव का परम भक्त था। इनके पिता का नाम नीलम चिनप्पा रेड्डी था जो कांग्रेस पार्टी के काफ़ी पुराने कार्यकर्ता और प्रसिद्ध नेता टी. प्रकाशम के साथी थे।

शिक्षा- नीलम संजीव रेड्डी की प्राथमिक शिक्षा थियोसोफिकल हाई स्कूल अड़यार, मद्रास में सम्पन्न हुई। आगे की शिक्षा आर्ट्स कॉलेज, अनंतपुर में प्राप्त की। महात्मा गांधी के आह्वान पर जब लाखों युवा पढ़ाई और नौकरी का त्याग कर स्वाधीनता संग्राम में जुड़ रहे थे, तभी नीलम संजीव रेड्डी मात्र 18 वर्ष की उम्र में ही इस आंदोलन में कूद पड़े थे। इन्होंने भी पढ़ाई छोड़ दी थी। संजीव रेड्डी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन में भी भाग लिया था। यह उस समय आकर्षण का केन्द्र बने, जब उन्होंने विद्यार्थी जीवन में सत्याग्रह किया था। वह युवा कांग्रेस के सदस्य थे। उन्होंने कई राष्ट्रवादी कार्यक्रमों में हिस्सेदारी भी की थी। इस दौरान इन्हें कई बार जेल की सज़ा भी काटनी पड़ी।

विवाह- नीलम संजीव रेड्डी का विवाह 8 जून, 1935 को नागा रत्नम्मा के साथ सम्पन्न हुआ था। इनके एक पुत्र एवं तीन पुत्रियाँ हैं। पुत्र सुधीर रेड्डी अनंतपुर में सर्जन की हैसियत से अपना स्वतंत्र क्लिनिक पार्टी ऑफ़ इण्डिया के प्रभावशाली नेता रहे हैं और आज़ादी की लड़ाई में यह भी कई बार जेल गए हैं।

राजनीतिक जीवन- बीस वर्ष की उम्र में ही नीलम संजीव रेड्डी काफ़ी सक्रिय हो चुके थे। राज्य की राजनीति में भी एक कुशल प्रशासक के तौर पर इनका प्रभाव अनुभव किया जाने लगा था। यह 1936 में आंध्र प्रदेश कांग्रेस समिति के सामान्य सचिव निर्वाचित हुए और इस पद पर 10 वर्ष से अधिक समय गुजारा। यह इस बात को सिद्ध करता है कि वह प्रतिभावान थे और उनमें नेतृत्व के गुण थे। नीलम संजीव रेड्डी संयुक्त मद्रास राज्य में आवासीय वन एवं मद्य निषेध मंत्रालय के कार्यों का भी सम्पादन करते थे। तब कुमारास्वामी राजा मुख्यमंत्री थे। यह समय 1949 से 1951 तक का था। 1951 में इन्होंने मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया, ताकि आंध्र प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव में भाग ले सकें। इस चुनाव में नीलम संजीव रेड्डी प्रोफेसर एन.जी. रंगा को हराकर अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसी वर्ष यह अखिल भारतीय कांग्रेस कार्य समिति और केन्द्रीय संसदीय मंडल के भी निर्वाचित सदस्य बन गए। इस प्रकार इन्हें राष्ट्रीय स्तर की छवि एवं दर्जा प्राप्त हो गया।

दुर्घटना- नीलम संजीव रेड्डी के निजी जीवन में एक दुखद घटना घटी। इनका पाँच वर्षीय पुत्र मोटर दुर्घटना में काल-कवलित हो गया। इस घटना से यह इतना व्यथित हुए कि आंध्र प्रदेश कांग्रेस समिति की अध्यक्षता से त्यागपत्र दे दिया लेकिन इन्हें त्यागपत्र वापस लेने के लिए मना लिया गया। 1952 में इन्हें राज्य सभा के लिए चुना गया लेकिन 1953 में इन्होंने सदस्यता त्याग दी। फिर यह टी. प्रकाशम की कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे। जबकि 1955 से पूर्व तक यह मद्रास विधानसभा के लिए चुने गए।

1956 में जब राज्यों के पुनर्गठन का कार्य किया गया तो नीलम संजीव रेड्डी आंध्र प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने। तब इनकी उम्र 43 वर्ष थी और यह भारत के सबसे युवा मुख्यमंत्री थे। इन्हें 3 दिसम्बर 1956 को सर्वसम्मति से अखिल भारतीय कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया और इन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। लेकिन यह तब मुख्यमंत्री कार्यालय में बने रहे, जब तक कि नए मुख्यमंत्री के रूप में डी. संजीवैय्या ने 11 जनवरी 1960 को अपना कार्यभार नहीं संभाल लिया। इन्हें कांग्रेस की अध्यक्षता श्रीमती इंदिरा गांधी से प्राप्त हुई थी, जिन्हें 2 फरवरी 1959 को यू. एन. देवधर के त्यागपत्र देने पर अध्यक्ष बनाया गया था।

जेल यात्रा- रेड्डी 1940 से 1945 तक जेल में कैद रहे। यह प्रथम बार सितम्बर 1940 में छह माह के लिए जेल गए। तब इन्हें वेल्लूर और तिरुचिरापल्ली की जेलों में रखा गया। दूसरी बार इन्हें 1 जून 1941 से 18 मार्च 1942 तक वेल्लूर की जेल में राष्ट्रविरोधी गतिविधियाँ संचालित करने के आरोप में कैद किया गया। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान इन्हें 11 अगस्त 1942 को गिरफ्तार करके अमरावती तथा वेल्लूर की जेलों में कैद थे। वह 1945 तक जेल में रहे। रिहाई के बाद 1946 में यह मद्रास विधायिका में निर्वाचित हुए तथा 1947 में मद्रास विधायिका में सेक्रेटरी बनाए गए। 1947 में यह भारत की संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य भी रहे।

नैतिक मूल्या- रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी के तीन सत्रों की अध्यक्षता की। 10 मार्च 1962 को इन्होंने कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। यह 12 मार्च 1962 को पुन- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने, जब डी. संजीवैय्या मुख्यमंत्री पद से हटा दिए गए। फरवरी 1964 में इन्होंने स्वेच्छा से मुख्यमंत्री का पद त्याग दिया और इसका आधार नैतिक मूल्यों को बताया। आंध्र प्रदेश में सड़कों का राष्ट्रीयकरण किया गया था। और उस पर उच्चतम न्यायालय द्वारा विचार किया जा रहा था। इस कारण रेड्डी ने मुख्यमंत्री बने रहना उचित नहीं समझा। इसके बाद इनके सहयोगी राज्यपाल ब्रह्मानन्द रेड्डी ने इन्हें नए मंत्रिमंडल का न्योता दिया और यह विधानसभा में कांग्रेस के नेता चुन लिए गए।

खान मंत्रालय- 9 जून 1964 को रेड्डी राष्ट्रीय राजनीति में आए और प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने इन्हें केन्द्र में स्टील एवं खान मंत्रालय प्रदान किया। 1964 में ही यह राज्यसभा के लिए मनोतीत हुए और 1967 तक इसके सदस्य बने रहे। जनवरी 1966 से मार्च 1967 तक वह प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में रहे। इन्होंने यातायात, जहाजरानी, नागरिक उड्डयन एवं टूरिज्म का कार्य कैबिनेट मंत्री के रूप में देखा। 1967 के लोक सभा चुनाव में रेड्डी हिन्दपुर से निर्वाचित हुए, जो आंध्र प्रदेश की ही सीट थी। 17 मार्च 1967 को इन्हें लोक सभा का स्पीकर बनाया गया। लेकिन 19 जुलाई 1969 को इन्होंने लोकसभा के स्पीकर पद से त्यागपत्र दे दिया। यह कांग्रेस पार्टी की ओर से राष्ट्रपति चुनाव हेतु अधिकृत उम्मीदवार बनाए गए थे। इस ऐतिहासिक चुनाव ने कांग्रेस को दो भागों में विभक्त कर दिया। एक, कांग्रेस-ओ और दूसरी, कांग्रेस-आर के रूप में सामने आई। 1971 में जब लोक सभा के चुनाव आहूत हुए तो नीलम संजीव रेड्डी कांग्रेस-ओ के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे लेकिन इन्हें हार का सामना करना पड़ा। उस समय इंदिरा लहर के सम्मुख कई बड़े दिग्गज अपने पांवों की ज़मीन गंवा बैठे थे। इस हार से रेड्डी को गहरा धक्का लगा। वह अनंतपुर लौट गए और अपना अधिकांश समय कृषि कार्यों में ही गुजारने लगे। एक लम्बे अंतराल की राजनीतिक खामोशी के बाद 1 मई 1975 को नीलम संजीव रेड्डी पुन- सक्रिय राजनीति में उतरे।

ड्रोन बनाने वाली कंपनी का नेट प्रॉफिट 189% बढ़ा, मिलेगा 200% डिविडेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्रोन बनाने वाली कंपनी जेन टेक्नोलॉजीज ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी के नेट प्रॉफिट में 189 प्रतिशत का इजाफा सालाना आधार पर हुआ है। जेन टेक्नोलजीज की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है कि मार्च क्वार्टर में कुल नेट प्रॉफिट 101.04 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में ड्रोन बनाने वाली इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 35.99 करोड़ रुपये रहा था। रेवन्यू की बात करें तो मार्च क्वार्टर में इसमें भी 100 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। बता दें, इस कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान कर दिया है।

जेन टेक्नोलॉजीज की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है ऑपरेशंस से रेवन्यू 324.97 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 141.38 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, ड्रोन बनाने वाली इस कंपनी का खर्च भी बढ़ा है। मार्च क्वार्टर में कुल खर्च 195.70 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी का शुद्धलाभ मार्च क्वार्टर में 138 करोड़ रुपये रहा है। एक वित्त वर्ष पहले मार्च तिमाही में ही यह 50.40 करोड़ रुपये रहा था।

जेन टेक्नोलॉजीज के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 14 फरवरी 2025 को वेक्टर टेक्निक्स प्राइवेट लिमिटेड में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दे दी थी। इस अधिग्रहण के लिए जेन टेक्नोलॉजीज को 25 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा।

जेन टेक्नोलॉजीज ने एक रुपये फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 200 प्रतिशत का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड दे रही है।

शुक्रवार को जेन टेक्नोलॉजीज के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। 5 प्रतिशत की उछाल के बाद बीएसई में यह स्टॉक 1794.75 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक हफ्ते के दौरान जेन टेक्नोलॉजीज के शेयरों की कीमतों में 27 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में ड्रोन बनाने वाली इस कंपनी ने 89 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

10000 रुपये पेंशन की गारंटी, केंद्रीय कर्मचारियों की इस स्कीम के फीचर जान लीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप केंद्रीय कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, केंद्र सरकार ने बीते एक अप्रैल 2025 से एक नई स्कीम की शुरुआत की थी। इस स्कीम के तहत केंद्रीय कर्मचारियों को न्यूनतम 10 हजार रुपये पेंशन की भी सुविधा मिलती है। आइए स्कीम के बारे में विस्तार से जान लेते हैं।

स्कीम के बारे में

इस योजना के तहत सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में मिले औसत मूल वेतन की 50 प्रतिशत राशि को सुनिश्चित पेंशन के तौर पर देने का प्रावधान है। 25 वर्ष की न्यूनतम अर्हक सेवा के लिए सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन मिलता है। यह वेतन न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा अवधि के लिए आनुपातिक होगा। फैमिली पेंशन की भी सुविधा है। कर्मचारी की मृत्यु से ठीक पहले उसकी पेंशन का 60 प्रतिशत फैमिली को दिया जाता है। स्कीम के तहत ग्रेच्युटी के अतिरिक्त सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त भुगतान किया जाता है।

किन कर्मचारियों के लिए- ये नियम एक अप्रैल, 2025 तक सेवा में मौजूदा केंद्र सरकार के एनपीएस में आने वाले कर्मचारी और केंद्र सरकार की सेवाओं में अप्रैल, 2025 को या उसके बाद भर्ती होने वाले कर्मचारियों समेत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के नामांकन को सक्षम करते हैं।

IPO लॉन्च करने की तैयारी में कलरबार कॉस्मेटिक्स, लिस्टिंग कब? एमडी ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेकअप और स्किनकेयर ब्रांड कलरबार कॉस्मेटिक्स की आईपीओ मार्केट में एंट्री होने वाली है। इस कंपनी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक समीर मोदी ने कहा है कि 2027 की शुरुआत में लिस्टिंग की योजना है। बता दें कि कंपनी ने इस वित्तीय वर्ष में अपने डिजाइन को अपग्रेड करने समेत कई अन्य योजनाएं बनाई है।

कलरबार के समीर मोदी ने कहा कि 1 अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में कंपनी को राजस्व दोगुना होकर 10 बिलियन रुपये (117 मिलियन डॉलर) से अधिक होने की उम्मीद है। इसमें नई पैकेजिंग और स्टोर अपग्रेड शामिल हैं। मोदी ने कहा कि कलरबार साल 2027 की शुरुआत में लिस्ट हो जाएगी। कंपनी इस आईपीओ से होने वाली आय का उपयोग अपनी स्किनकेयर को मजबूत करने और विदेशी ब्रांडों को अधिग्रहण करने के लिए करेगी।

कलरबार से पहले शेयर बाजार में लिस्टेड प्रतिस्पर्धी कंपनियों में नाइका और ममाअर्थ की पैरेंट कंपनी- होनासा कंज्यूमर शामिल हैं। इन कंपनियों की लिस्टिंग के बाद से गिरावट आई है क्योंकि ब्रोकरेज ने बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण लाभ मार्जिन के बारे में चिंता जताई है। कलरबार को भी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी को यह सामना शुगर कॉस्मेटिक्स और माईग्लैम जैसे निजी स्वामित्व वाले भारतीय ब्रांडों के अलावा एस्टी लॉडर के बॉबी ब्राउन और मैक जैसी वैश्विक बड़ी कंपनियों से भी हो रहा है।

कलरबार के 100 से अधिक आउटलेट हैं और जो शॉपर्स स्टॉप, लाइफस्टाइल सहित 1,200 से अधिक मल्टी-ब्रांड स्टोर के माध्यम से बिक्री करती है। इस वित्तीय वर्ष में 15-20 स्टोर खोलने की भी योजना बना रही है। कलरबार को उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य पूर्व में विस्तार करके निर्यात से उसके राजस्व का एक चौथाई हिस्सा प्राप्त होगा।

1 शेयर पर 2 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते, 1 साल में पैसा किया दोगुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में बीते एक साल में कुछ ही बड़ी कंपनियों ने 150 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इन कंपनियों की लिस्ट में बीएसई लिमिटेड भी एक है। अब कंपनी बोनस शेयर बांटने को लेकर चर्चा में है। बता दें, इस बोनस इश्यू के लिए तय रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते है।

1 शेयर पर 2 शेयर बोनस दे रही है कंपनी - एनएसई को दी जानकारी में कपनी ने बताया है कि 1 शेयर पर योग्य निवेशकों को 2 शेयर बोनस के तौर पर बांटा जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 23 मई की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इससे पहले बीएसई लिमिटेड ने 2022 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। तब भी कंपनी की तरफ से हर एक शेयर पर 2 शेयर बोनस दिया गया था।

बीएसई लिमिटेड इसी महीने की 14 तारीख को एक्स-डिविडेंड ट्रेड कर चुकी है। कंपनी ने तब हर एक शेयर पर 23 रुपये का डिविडेंड दिया था। इस पहले जून 2024 में कंपनी एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब हर शेयर पर योग्य निवेशकों को 15 रुपये का डिविडेंड मिला था।

250 टूट सकता है टाटा का यह शेयर, 12 महीने से कंपनी ग्रोथ में सुस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल सर्विस कंपनी- टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक वह एक बार फिर स्वस्थ वृद्धि की राह पर होगी। कंपनी के सीईओ और एमडी वारेन हैरिस ने उम्मीद जताई कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क झटके के बाद अब चीजें स्पष्ट होंगी, जिससे कंपनी अच्छी वृद्धि दर्ज कर सकेगी। कंपनी के सीईओ का यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि शेयर को लेकर एक्सपर्ट की प्रतिक्रिया ठंडी है। हाल ही में 10 से ज्यादा एक्सपर्ट ने शेयर बेचने की सलाह दी है। एक एक्सपर्ट ने तो शेयर को 250 रुपये तक टूटने की आशंका जताई है।

हैरिस ने न्यूज एजेंसी पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी पिछले 12 माह में बाजार में नरमी से जूझने के बाद नए वित्त वर्ष में तेजी के साथ प्रवेश कर रही थी। लेकिन ट्रंप के टैरिफ झटके के बाद ग्राहक अपनी योजनाओं पर नए सिरे से विचार करने लगे थे। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष के अंत में इनमें से बहुत से ग्राहकों के लिए चीजें साफ हो गई थीं और वे अपने कार्यक्रमों के बारे में निर्णय लेने लगे थे। हमारी उनके साथ अच्छी बातचीत हो रही है। अप्रैल में आने के साथ हम उत्साहित थे।

हैरिस ने आगे कहा कि लेकिन दुर्भाग्य से, नए वित्त वर्ष के पहले सप्ताह के भीतर ही नए (अमेरिकी) राष्ट्रपति ने शुल्क वृद्धि की घोषणा कर दी, जिसने सभी को एक बार फिर से अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य किया।

उन्होंने कहा कि कंपनी को भरोसा है कि अमेरिकी व्यापार वार्ता को लेकर मई और जून में कुछ सफलता मिलेगी। इससे हमारे ग्राहकों के लिए उत्पाद निवेश निर्णय पर लौटने का रास्ता तैयार होगा। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि पिछले 12 माह के दौरान कंपनी बाजार की मंदी से प्रभावित रही है।

बीते शुक्रवार को बाजार की बिकवाली में भी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर को खरीदने की लूट थी। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर करीब 5 फीसदी तक चढ़ गया। कारोबार के अंत में शेयर 4.36त बढ़कर 751.15 रुपये पर रहा।

बीते दिनों टाटा टेक पर कवरेज करने वाले 15 विश्लेषकों में से 11 ने शेयर बेचने की सिफारिश की थी जबकि उनमें से चार ने खरीदने की रेटिंग दी। कोटक ने सबसे कम टारगेट प्राइस रखा था। ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने टाटा टेक्नोलॉजीज पर अपनी बेचने की रेटिंग बरकरार रखते हुए 500 का टारगेट प्राइस रखा।

वेदांता के कारोबार विस्तार का बड़ा प्लान, दुनियाभर की कंसल्टिंग कंपनियों ने दिखाई दिलचस्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की कई कंसल्टिंग कंपनियों ने वेदांता लिमिटेड की कई क्षेत्रों में फैली 20 अरब डॉलर की विस्तार परियोजनाओं को लागू करने में रुचि दिखाई है। जानकारी के मुताबिक वेदांता जून तिमाही में कंसल्टिंग कंपनी का चयन करेगी। बता दें कि वेदांता अगले तीन साल में अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करने की योजना बना रही है। इसके तहत कंपनी चार इकाइयों- वेदांता एल्युमीनियम, तेल और गैस, बिजली, और लौह एवं इस्पात में पुनर्गठन कर रही है।

वेदांता लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक अरुण मिश्रा ने कहा- इसलिए, हमने एक वैश्विक रुचि पत्र (ईओआई) जारी किया है। इसपर हमें काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हम कुछ सप्ताह के समय में पार्टनर का चयन कर लेंगे। कारोबार के विभाजन के बाद, हमारे पास कई सूचीबद्ध व्यवसाय होंगे। मिश्रा ने विस्तार परियोजना में रुचि दिखाने वाली कंपनियों का नाम पूछे जाने पर कहा कि भारत और दुनिया भर में कई बड़ी वैश्विक परामर्श कंपनियों के बारे में सोचें, उन सभी ने इसमें रुचि दिखाई है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सोनकच्छ के पुराने बायपास स्थित कैफे में युवक के पैर में मारी गोली, देवास रेफर

देवास। जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर स्थित सोनकच्छ के पुराने बायपास स्थित एक कैफे में रविवार दोपहर रंजिश के चलते विवाद हो गया। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक लोगों ने मिलकर एक युवक व उसके साथियों के साथ मारपीट की। इसी दौरान एक युवक पैर में गोली मार दी गई जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को सोनकच्छ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार करके देवास रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है, समाचार लिखे जाने तक मामले में प्रकरण दर्ज नहीं हुआ था। जानकारी के अनुसार शनिवार रात को बस

स्टैंड पर दो पक्षों में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी।

इसके बाद पुलिस और स्वजनों ने मिलकर विवाद खत्म करवा दिया था लेकिन इसके बाद रविवार करीब दोपहर करीब दो बजे नगर के पुराने बायपास पर पहुंचे।

एक कैफे में बैठे 25 वर्षीय कृष्णपाल पुत्र धारासिंह निवासी ग्राम खजुरियाकंका के साथ कुछ लोगों ने जमकर मारपीट की और उसके पैर में गोली भी मार दी।

फरियादी के बयान के अनुसार सात लोगों के नाम सामने आए हैं, इसके साथ ही कुछ अन्य लोगों के भी नाम पुलिस को बताए गये हैं। घटना की जानकारी मिलने पर सोनकच्छ थाने में लोगों की भीड़ जुट गई।उधर सोनकच्छ सरकारी अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार युवक के पैर में गोली लगी है।

वहीं सोनकच्छ थाने के एसआई मान सिंह गामोड़ ने बताया सबसे पहले घायल को मेडिकल के लिए भेजा गया, बयानों के आधार पर प्रकरण दर्ज किया जाएगा। मामले की जांच की जा रही है।

जंगल में जली हुई अवस्था में मिला महिला का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

बड़वानी। जिले के पानसेमल थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। थाना क्षेत्र के खड़ीखम से बलखड़ की ओर जाने वाले कच्चे रोड के निकट जंगल में एक महिला के एक पैर, सिर और कुछ अंग अधजली हालत में मिले है।

घटना की सूचना मिलते ही पानसेमल थाना प्रभारी मंशाराम वगेन टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने महिला के जले हुए अंगों को बरामद कर लिया है और उन्हें सीएचसी पानसेमल में सुरक्षित रखवाया है। सैंपल को पोस्टमार्टम एवं फोरेंसिक जांच के लिए सागर की लैब में भेजा जाएगा।

इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने नजदीकी थाने और आसपास के ग्रामीणों से भी इस बारे में जानकारी प्राप्त की। वहीं अपने सूत्रों से महिला की पहचान करने का प्रयास जारी है।

पुलिस ने आसपास के इलाकों में भी संपर्क किया है। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। गुमशुदा व अपहृत महिलाओं की भी जानकारी जुटाकर शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

गांवों में अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने का आह्वान किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी और वे इस मामले में कुछ कह पाएंगे।

मुरैना के तोर गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर दो पक्षों में फायरिंग, गोली लगने से एक की मौत

मुरैना । मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के तोर गांव में सरकारी जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच दो दिन से फायरिंग होने की घटना सामने आई है। फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई। निरार थाना पुलिस के पास पहली बार दोनों पक्षों के बीच हुई फायरिंग की शिकायत पहुंची थी, लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया। शुक्रवार-शनिवार की रात एक पक्ष ने जमीन पर बनी झोंपड़ी में आग लगाई और फिर ताबड़तोड़ फायर किए। मामला थाने तक आया, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद रात में दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। गोली लगने से जिसकी मौत हुई है वह देवगढ़ क्षेत्र का रहने वाला है और तोर गांव में अपने रिश्तेदार के घर आया था। इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं।

आजादी के बाद पहली बार इंदौर के राजवाड़ा में लगेगा मध्य प्रदेश सरकार का दरबार

इंदौर । देवी अहिल्याबाई होलकर ने इंदौर के राजवाड़ा से सुशासन की नींव रखी थी। उनके बाद होलकर वंशजों ने इंदौर सहित होलकर राज्य के विकास के बड़े निर्णय राजवाड़ा के दरबार हाल में हुई बैठकों में लिए। आजादी के पहले जिस राजवाड़ा में दरबार सजा करता था, स्वतंत्र भारत में पहली बार उसी राजवाड़ा में मोहन सरकार का दरबार लगने वाला है।

20 मई को राजवाड़ा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने मंत्रिमंडल के साथ इंदौर सहित प्रदेश के विकास के कई अहम निर्णय लेंगे। कैबिनेट बैठक की तैयारी के लिए गणेश हाल और दरबार हाल को सजाया जा रहा है। होलकरकालीन ऐतिहासिक राजवाड़ा में आजादी के पहले यशवंतराव तृतीय ने दरबार हाल में अपने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ बैठक की थी। उस ऐतिहासिक क्षण का चित्र इंदौर के संग्रहालय में सहेजकर रखा हुआ है। राजवाड़ा के गणेश हॉल में जहां होलकर राजा संगीत कार्यक्रम, रंगपंचमी की गेर, ताजिये का जुलूस व खास मौकों पर बैठक करते थे।

अब उसी स्थान पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक होगी। वहीं राजवाड़ा परिसर के प्रथम मंजिल पर दरबार हाल में जहां होलकर महाराज मंत्रियों के साथ अपनी रियासत के अहम मुद्दों पर चर्चा करते थे, वहां मुख्यमंत्री व कैबिनेट मंत्रियों का भोज होगा।

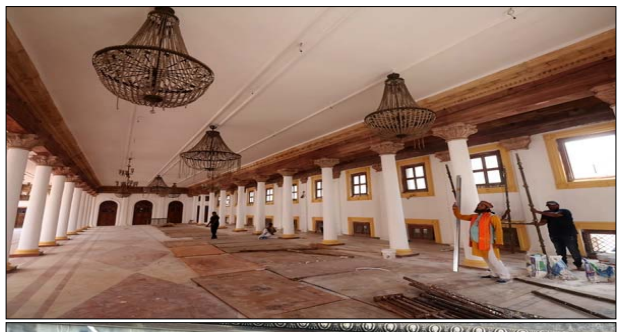

अस्थायी सचिवालय बनेगा

कैबिनेट बैठक के दौरान राजवाड़ा पर अस्थायी सचिवालय की स्थापना की जा रही है, जहां बैठक के संबंध में सभी प्रशासनिक गतिविधियां संचालित होंगी। सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस दल तैनात किए जाएंगे। मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए लाइजनिंग अधिकारी नियुक्त होंगे। शासन की विभिन्न योजनाओं और इंदौर के विकास की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। सामने के गार्डन को भी संवारा जा रहा है।

मालवी परंपरा और संस्कृति की दिखेगी झलकराजवाड़ा को होलकरकालीन पारंपरिक शैली में सजाया जा रहा है। बाहर और भीतर मालवी संस्कृति की झलक दिखाई देगी। मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत-सत्कार मालवी परंपरा से किया जाएगा। बैठक के बाद प्रथम तल पर पारंपरिक मालवी भोज का आयोजन किया गया है, जिसमें स्थानीय व्यंजन विशेष रूप से दाल-बाटी, दही बड़ा, मावा बाटी आदि परोसे जाएंगे।

प्रदेश में शिक्षक भर्ती परीक्षा की नियुक्तियां हाई कोर्ट के अंतिम निर्णय के अधीन

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा के तहत होने वाली नियुक्तियों को इस याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन कर दिया है। इस अंतरिम आदेश के साथ की स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव, आयुक्त लोक शिक्षण, आयुक्त आदिवासी विभाग व कर्मचारी चयन आयोग के संचालक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

याचिकाकर्ता सतना निवासी प्रदीप कुमार पांडे की ओर से आर्यन उरमलिया ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि माध्यमिक शिक्षक (संस्कृत) पद के लिए भर्ती प्रक्रिया में पात्रता नियमों में अचानक संशोधन कर दिया गया।पात्रता शर्तों में संशोधन कर दिया याचिकाकर्ता ने वर्ष 2023 में आयोजित माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) में सफलता प्राप्त की थी और सभी आवश्यक योग्यताएं भी पूरी की थीं। लेकिन राज्य सरकार ने वर्ष 2024 में नया परीक्षा संचालन मैनुअल जारी किया, जिसमें माध्यमिक शिक्षक (संस्कृत) पद के लिए पात्रता शर्तों में संशोधन कर दिया गया।10 हजार पदों पर होना है नियुक्तियां करीब 10 हजार पदों पर नियुक्तियां होना है। वर्ष 2018 के नियमों के अनुसार, माध्यमिक शिक्षक (संस्कृत) पद के लिए शास्त्री उपाधि (द्वितीय श्रेणी) संस्कृत साहित्य/व्याकरण के साथ अनिवार्य थी। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने 2023 में आयोजित पात्रता परीक्षा में भाग लिया और उसे सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया। वर्ष 2024 में जारी नए पात्रता मानदंड को संशोधित कर दिया, जिससे याचिकाकर्ता अयोग्य हो गया। इधर जिला शिक्षा अधिकारी कटनी का आदेश निरस्तहाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने जिला शिक्षा अधिकारी कटनी के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें याचिकाकर्ता को गलत श्रेणी में विभाजित कर वेतनमान तय किया था। कोर्ट ने मामला वापस डीईओ को भेजने और उपयुक्त वेतनमान प्रदान करने के निर्देश दिए। इसके लिए 90 दिन की मोहलत दी है।याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी अनिल कुमार गर्ग की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति वर्ष 1984 में विकासखण्ड मंझौली में समयपाल (टाइम कीपर) के पद पर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में की गई थी।

राजवाड़ा बनेगा ऐतिहासिक निर्णयों का साक्षी

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर 20 मई को इंदौर में होगी मंत्रिमंडल की विशेष बैठक

इंदौर। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर इंदौर में 20 मई को एक ऐतिहासिक क्षण आ रहा है। मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल की विशेष बैठक इस दिन इंदौर के गौरव-स्थल राजवाड़ा में आयोजित की जाएगी। यह पहला अवसर होगा जब प्रदेश मंत्रिमंडल, ऐतिहासिक विरासत से युक्त इस भव्य स्थल पर एकत्रित होकर जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण नीतियों पर मंथन करेगा।

इस बैठक को गरिमा और परंपरा का संगम बनाने के लिए तैयारियाँ पूरे जोर-शोर से जारी हैं। आज संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह तथा श्री मनोज श्रीवास्तव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए की सभी व्यवस्थाएं गरिमा के अनुरूप समय सीमा में सुनिश्चित की जाय।

राजवाड़ा को सजाया जा रहा है सांस्कृतिक वैभव के प्रतीक के रूप में- राजवाड़ा को माँ देवी अहिल्या बाई होलकर की स्मृति में पारंपरिक शैली और आधुनिक साज-सज्जा से सजाया जा रहा है। भवन के भीतर और बाहर मालवी संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। प्रकाश, पुष्प एवं पारंपरिक सजावट का संयोजन इसे एक अलग विशेष स्वरूप प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों द्वारा देवी अहिल्या बाई होलकर को नमन से होगी बैठक की शुरुआत- बैठक का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं समस्त मंत्रीगण द्वारा माँ देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगा। इसके उपरांत वे राजवाड़ा में प्रवेश करेंगे, जहाँ भूतल पर मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रदेश के विकास, जनकल्याण, सुशासन से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा संभावित है।

मालवी परंपरा में होगा स्वागत और भोजन- आयोजन में आने वाले समस्त अतिथियों के स्वागत-सत्कार की व्यवस्था मालवी परंपरा के अनुरूप की जा रही है। बैठक के उपरांत प्रथम तल पर पारंपरिक मालवी भोज का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय व्यंजन विशेष रूप से दाल-बाटी, दही बड़ा, मावा बाटी आदि परोसे जाएंगे।

अस्थायी सचिवालय एवं सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था- राजवाड़ा परिसर में अस्थायी सचिवालय की स्थापना की जा रही है, जहाँ बैठक के संबंध में सभी प्रशासनिक गतिविधियाँ संचालित होंगी। सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस दल तैनात किया जा रहा है। परिवहन, आवास और सुरक्षा की सभी व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

पीडीएस हितग्राहियों के ई-केवाईसी करने महू के चोरल गांव में लगाया गया विशेष कैंप

इंदौर। राज्य शासन के निर्देशानुसार 31 मई तक शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों के ई-केवाईसी करने हेतु जिले में अभियान चलाकर केवाईसी किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश अनुसार एक भी पात्र हितग्राही केवाईसी से बाकी नहीं रहे तथा 31 मई के बाद पात्र हितग्राही को राशन लेने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो, के पालन में महू ब्लॉक के चोरल गांव में विशेष केवाईसी कैंप लगाया गया। चोरल गांव के आसपास तीन उचित मूल्य दुकानों हैं, जिनमें नेटवर्क नहीं आने से पोस मशीन से ऑफलाइन राशन वितरण किया जाता है। ऑफलाइन पोस मशीन संचालन के कारण उक्त तीनों दुकानों के ईकेवाईसी करने में दिक्कत आ रही थी, जिसके समाधान के लिए पास के चोरल गांव में कैंप लगाया गया। कैंप में बैका, राजपुरा कालाकुंड , रसकुंडिया आदि गांव के पीडीएस हितग्राहियों के ईकेवाईसी पूर्ण करने हेतु जिले से दो पोस आइरिस मशीन, एक अन्य पीओएस मशीन डिप्लॉय करके महू कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के निर्देशन में टीम लगाकर केवाईसी किए जा रहे हैं। चोरल गांव में 18 मई को भी केवाईसी करने विशेष कैंप लगाया जाएगा, जिसमें आसपास के गांव के हितग्राही ई-केवाईसी करा सकेंगे। जिले में आज दिनांक तक कुल 16.53 लाख हितग्राहियों में से 15.75 लाख (÷95 ৳÷) हितग्राहियों के केवाईसी किए जा चुके हैं।

तेजी से विस्तार ले रहे नगरीय क्षेत्रों का व्यवस्थित नियोजन जरुरी - मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हो रहा है। जनसामान्य को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नगरीय क्षेत्रों के व्यवस्थित नियोजन को समय रहते सही दिशा देना जरूरी है। इंदौर-उज्जैन-देवास-धार और भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) को मिलाकर प्रदेश में दो मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकसित किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों के नगरीय निकायों और विकास प्राधिकरणों के प्रबंधन को सशक्त करते हुए संस्थाओं की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। प्रस्तावित क्षेत्रों में वर्तमान में पर्याप्त औद्योगिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। मेट्रोपॉलिटन के रूप में विकास से यहां निवेश और औद्योगिक विकास की प्रक्रिया तेज होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन एरिया गठन से संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित बैठक में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव नागरीय विकास एवं आवास श्री संजय शुक्ला सहित अधिकारी उपस्थित थे।

कवरेज के दौरान जब भीग गई थीं मेरी आँखें: जर्नी ऑफ ए जर्नलिस्ट कार्यक्रम में बोले अनुराग द्वारी

इंदौर। 'मैं भी एक बेटी का पिता हूँ, राजौरी-पुंछ में कवरेज के दौरान मेरी आँखें उस वक्त भीग गई, जब जपनीत कौर नाम की एक बच्ची ने पाकिस्तान के मिसाइल हमले में उसके पिता के मारे जाने की बात कही। उस बच्ची ने बताया कि उसके पिता उसे डॉक्टर बनाना चाहते थे।

यह बात एनडीटीवी के कार्यकारी संपादक अनुराग द्वारी ने कही। वे स्टेट प्रेस क्लब,म.प्र. द्वारा आयोजित जर्नी ऑफ ए जर्नलिस्ट में अपने पत्रकारीय जीवन के अनुभव साझा कर रहे थे। यह कहते वक्त वे खरगोन में दंगों के दौरान उस बुजुर्ग मां को भी याद कर रहे थे जिसका घर ढहा दिया गया था। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक शकील अख्तर ने उनकी पत्रकारिता पर यह उत्प्रेरक बातचीत की।

इस दो सत्रों में अनुराग द्वारी से महत्वपूर्ण बातचीत हुई। पहले सत्र में अनुराग द्वारी से उनकी शिक्षा, खेल और रंगमंच में उनकी दिलचस्पी और पत्रकारिता में इसके सदुपयोग को लेकर बातचीत की गई। उन्होंने बताया कि रंगमंच ने जहां उन्हें किसी भी चीज को बारीकी से देखना, समझना और अभिव्यक्त करना सिखाया, वहीं जामिया में पढ़ाई के दौरान वहां आने वाले विषय-विशेष के जानकारों और तकनीकी प्रशिक्षण ने उन्हें पत्रकारिता में सक्षम बनाने में मदद की। शकील अख्तर के पूछे एक सवाल के जवाब में उन्होंने रेडियो और टीवी स्क्रिप्ट का फर्क बताया।

माँ देवी अहिल्या की स्मृतियों को और स्थायी स्वरूप मिले - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि 20 मई को माँ अहिल्या माता की पावन स्मृति में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इन्दौर में केबिनेट बैठक करने का सराहनीय निर्णय लिया गया है। अहिल्या माता की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाये रखने के लिए मध्यप्रदेश में आपके नेतृत्व में कई प्रभावशाली निर्णय लिये जा रहे हैं। मातृशक्ति की अनुपम प्रतीक, न्यायप्रिय, प्रजावत्सला तथा अद्वितीय शासिका राजमाता अहिल्याबाई होलकर के यशस्वी जीवन से आज की पीढी प्रेरणा ले सकेगी।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा है कि राजमाता अहिल्याबाई होलकर का विवाह उपरांत आगमन कम्पेल तहसील खुडैल विधानसभा सांवेर जिला इन्दौर में होकर प्रथम राजधानी के रूप में घोषित की गई थी। किन्तु सुरक्षा कारणों से राजधानी को कम्पेल से महेश्वर स्थानान्तरित किया गया। श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग की है कि उनकी प्रथम राजधानी कम्पेल स्थित कचहरी, बावडी, शंकर मंदिर एवं उनके द्वारा स्थापित विश्व का एकमात्र गोवर्धन नाथजी का दस भुजानाथ मंदिर को संरक्षित कर स्मारक के रूप में विकसित किया जाए। मध्यप्रदेश में लाडली सेना का नाम बदल कर राजमाता अहिल्या सेना के नाम से नामकरण घोषित किया जाए।

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी ने इंदौर मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडोर का किया दौरा

इंदौर। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी श्री संकेत भोंडवे ने शुक्रवार को इंदौर मेट्रो सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर का मेट्रो ट्रेन से एससी-03 स्टेशन से गाँधी नगर स्टेडियम तक यात्रा की और स्थल का निरीक्षण किया। प्रबंध संचालक ने नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण, मेट्रो अधिकारियों, कंसलटेंट और परियोजना से जुड़े अधिकारियों के साथ चर्चा की। नगरीय विकास आयुक्त श्री भोंडवे ने भ्रमण के दौरान सुविधाओं जैसे एन्ट्री-एक्जिट पॉइंट्स, टिकट काउंटर, सूचना प्रदर्शन प्रणाली, मेट्रो ट्रेन में यात्रियों संबंधी सुविधाएँ, आपातकालीन द्वार जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कहा कि मेट्रो क्षेत्र के आसपास साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाये। श्री भोंडवे ने डिपो स्थल के आसपास बड़े पैमाने पर पौध-रोपण की योजना अभी से तैयार करने के लिये कहा। एमडी श्री भोंडवे ने मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े सभी अधिकारियों से कहा कि इंदौर मेट्रो की शुरूआत जन-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। मेट्रो सर्विस से मध्यप्रदेश की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनेगी। उन्होंने सम्पूर्ण मेट्रो क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

जल गंगा संवर्धन अभियान बने जन आंदोलन : मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान देश में जन-आंदोलन के रूप में ख्याति प्राप्त कर रहा है। समाज की भागीदारी से सरकार की जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों के फलस्वरुप मध्यप्रदेश जल शक्ति के रूप में उभर कर देश के नक्शे में स्थापित होगा। मंत्री श्री सिलावट ने शनिवार को विदिशा ज़िलें में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम जम्बार के तालाब में आयोजित श्रमदान कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, विधायक श्री मुकेश टंडन, श्री हरि सिंह सप्रे, श्री हरि सिंह रघुवंशी, जनपद अध्यक्ष श्री वीर सिंह के साथ अन्य जन-प्रतिनिधियों ने भी श्रमदान में सहभागिता की।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संपूर्ण मध्यप्रदेश में लागू कर जल संवर्धन के ऐसे कार्य को मूर्तरूप दिया जा रहा है, जिससे आने वाली पीढ़ी को हम प्रचुर मात्रा में जल संचय भण्डार विरासत में दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंदौर में प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में लीड कर राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति हासिल की है, ठीक वैसी ख्याति विदिशा जिला जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों में अर्जित करे। इस अभियान को अपना समझकर हम अपने स्तर पर सहयोग व योगदान कर मिसाल कायम करें।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि जल का कोई विकल्प नहीं है, जल है तो कल है, भविष्य है और प्रगति संभव है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में सिंचित रकबा बढ़ाने के लिए सिंचाई कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में पूरे कराए जा रहे हैं।

आगामी खरीफ 2025 में ब्रॉड बेड फरो पद्धति से सोयाबीन की बोवनी के महाअभियान हेतु दिया गया प्रशिक्षण

इंदौर। इंदौर जिले में आगामी खरीफ 2025 में ब्रॉड बेड फरो (बीबीएफ) पद्धति से सोयाबीन की बोवनी के महाअभियान हेतु कार्यालय सहायक यंत्री कृषि अभियांत्रिकी इन्दौर में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के मैदानी अमले एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र कस्तुरबाग्राम इन्दौर डॉ. अर्पणा वाजपेयी द्वारा ब्रॉड बेड फरो (बीबीएफ) पद्धति से बोवनी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा कृषि वैज्ञानिक भारतीय सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र इन्दौर डॉ. राकेश वर्मा द्वारा सोयाबीन उत्पादन की उन्नत तकनीकी की जानकारी दी गई। साथ ही कृषि वैज्ञानिक डॉ. अरूण शुक्ला द्वारा सोयाबीन उत्पादकता में लगातार आ रही गिरावट एवं गिरावट से निजात पाने के उन्नत तकनीकी की जानकारी दी गई। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास इन्दौर श्री सी.एल. केवडा द्वारा जिले में संचालित विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए ब्रॉड बेड फरो (बीबीएफ) पद्धति एवं सोयाबीन की नवीन किस्मों का अधिकतम समावेश कर उत्पादकता बढाने हेतु मैदानी अमले को समझाईस देकर जिले के समस्त किसानों तक ब्रॉड बेड फरो (बीबीएफ) पद्धति तकनीकी पहुंचाने हेतु निर्देशित किया गया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पत्रग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सिंहस्थ के कार्यों तथा विकास में मीडिया सक्रिय भूमिका अदा करे-कलेक्टर

उज्जैन। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने पत्रकार साथियों को संबोधित करते हुए आह्वान किया है कि वे शहर के विकास में और सिंहस्थ के चल रहे कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी दें और ज़मीनी रिपोर्ट से शासन को अवगत करावे ।आपने कहा कि आम लोगों को शासन की योजनाओ का लाभ अधिक से अधिक दिलाने में भी मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है ।

सिटी प्रेस क्लब द्वारा शिप्रा होटल में आयोजित परिसंवाद कार्यक्रम को कलेक्टर संबोधित कर रहे थे जिसका विषय था ÷सामाजिक विकास में मीडिया की भूमिका÷ । विषय पर बोलते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने क्रमवार शासन द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी और बताया की मैं पूर्व में जनसंपर्क विभाग का डायरेक्टर भी रह चुका हूँ इसलिए पत्रकारों के काफ़ी नज़दीक रहा और उज्जैन में भी मीडिया कर्मियों के साथ मेरा अनुभव बेहद विश्वास का रहा ।आपने कहा कि मैं जनसुनवाई को बहुत महत्वपूर्ण मानता हूँ और एक आम आदमी कलेक्टर या अन्य किसी बड़े अधिकारी के कार्यालय तक नहीं आ पाता । आपने कहा कि यहाँ जो वरिष्ठ पत्रकार कार्यक्रम में मौजूद हैं वे पिछले 35-40 सालों से पत्रकारिता कर रहे हैं और सिंहस्थ के 4-5 आयोजन की रिपोर्टिंग कर चुके हैं ।आपके अनुभव का लाभ शासन लेगा ।आपने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की मंशा के अनुरूप सिंहस्थ के बड़े विकास कार्य हो रहे हैं और मीडियाकर्मी सार्थक पहल कर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं । आपने विश्वास दिलाया कि जो कार्य हो रहे हैं उसकी गुणवत्ता प्रभावित नहीं होगी और मैं सतत् मॉनिटरिंग कर रहा हूँ तथा इस कार्य में पत्रकार भी मेरी मदद करें । जो भी सुझाव मीडिया जगत से आएंगे उस पर अमल किया जाएगा । उज्जैन उत्तर के विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने परिसंवाद पर बोलते हुए कहा कि उज्जैन में जो विकास कार्य चल रहे हैं उसमें यदि कोई गड़बड़ी है तो पत्रकार हमें अवगत कराएँ आपने कहा कि चौड़ीकरण से उज्जैन का विकास होगा और आम जनता की सहमति से ही चौड़ीकरण किया जा रहा है । आपने शिप्रा नदी के शुद्धिकरण पर भी प्रकाश डाला और बताया कि इंदौर और उज्जैन में कान्ह नदी के पानी के डायवर्सन को लेकर बड़ी योजना पर काम हो रहा है । परिसंवाद कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रकाश रघुवंशी,श्री विवेक चौरसिया,श्री बसंत कुमार शर्मा ने भी संबोधित किया और कहा कि आज मीडिया जगत के समक्ष विश्वास का संकट खड़ा है और सोशल मीडिया पर कई ख़बरें बिना पुष्टि के ही चलायी जा रही है ।आपने कहा कि समाज का विकास तभी होगा जब निश्चित रूप से पत्रकार जगत अपने कर्तव्य का पालन करेगा । सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री शैलेंद्र कुल्मी ने अपने प्रारंभिक उद्बोधन में कहा कि उज्जैन में बड़े पैमाने पर विकास के कार्य किए जा रहे हैं और सिटी प्रेस क्लब परिसंवाद एवं चर्चा के लिए मंच उपलब्ध कराएगा जिससे की निर्माण एजेंसियों को भी कसौटी पर खरा उतारा जा सके ।पूर्व के ऐसे अनुभव रहे है कि सैकड़ों करोड़ लगने के बाद भी योजनाएं विफल रही हैं और शहर को इसका लाभ नहीं मिला आपने पत्रकारों से आह्वान किया कि वे समाज हित में कार्य करें तथा आम लोगों को होने वाली परेशानियों से राहत दिलवाए7 अंत में आभार सिटी प्रेस क्लब के संरक्षक श्री रमेश दास द्वारा माना गया।

जिला बेडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव यादव का विक्रमादित्य बैडमिंटन क्लब ने किया सम्मान

उज्जैन की प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए एसोसिएशन काम करेगी- वैभव यादव

उज्जैन। विक्रमादित्य बेडमिंटन क्लब उज्जैन के पदाधिकारियों द्वारा महानंदा नगर स्पोर्ट्स एरिना में जिला बेडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव यादव का स्वागत सम्मान किया गया।

इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष वैभव यादव ने कहा कि उज्जैन की प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए एसोसिएशन काम करेगी। उज्जैन के बेडमिंटन खिलाड़ी स्टेट, नेशनल के अलावा इंटरनेशनल तक खेले उनके प्रशिक्षण से लेकर उनकी हर सुविधाओं की चिंता एसोसिएशन करेगी। विक्रमादित्य बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष दिनेश जाटवा ने बताया कि 250 से अधिक खिलाड़ी अभी क्लब में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। क्लब से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई खिलाड़ी स्टेट व नेशनल तक खेल चुके हैं। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष दिनेश जाटवा, राजेश योहान, मिथिलेश त्रिवेदी, क्लब के सचिव जितेन्द्र मुकाती, उपाध्यक्ष चेतन गुप्ता, डॉ हर्षवर्धन चौधरी, कोषाध्यक्ष यशवंत पटेल, राहुल उपाध्याय, सुधीर यादव, डॉ निश्चल यादव, देवेंद्र आर्य, गौरव सूर्या, ब्रजमोहन शर्मा, जावेद अहमद, संजय मेहता, शरद सूर्यवंशी, अंकित बाहेती, संजय मेहता, उदय अग्रवाल, फादर जोस पुलटु, गुलरेज, हर्ष, मध्य प्रदेश कोच योगेश बंदेवार, कोच मोनिका खालोटिया एवं समस्त विक्रमादित्य क्लब के सदस्यगण व खिलाड़ी उपस्थित थे।

अति प्राचीन 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय नयापुरा के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ

उज्जैन। ज्ञात जैन इतिहास में सर्वाधिक जिनबिम्ब को सूर्यमंत्र देने और पंच कल्याणक प्रतिष्ठा कराने वाले चर्याशिरोमणि 108 पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज संसंघ के पावन सानिध्य में अति प्राचीन 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय, नयापुरा के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ हुआ। ट्रस्टी देवेंद्र पाटनी ने बताया कि जीर्णोद्धार शिलान्यास समारोह से पूर्व जुलूस निकास चौराहे से प्रारंभ हुआ जो गीता कॉलोनी, अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाना, नामदार पूरा होते हुए श्री पार्श्वनाथ जिनालय नयापुरा पहुंचा।

राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में उज्जैन को मिली स्वर्णिम सफलता

उज्जैन। राज्य सब जूनियर के डेट जूनियर कराटे चैंपियनशिप 16 और 17 मई को इंदौर में आयोजित हुई जिसमें उज्जैन के होनहार कराते खिलाड़ी लय शर्मा और लक्ष्य शर्मा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। साथ ही निमिष शर्मा ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

ज्वलंत शर्मा ने बताया कि कोच कमल सोनी और नंदिनी सोनी के मार्गदर्शन में बच्चों ने उज्जैन को स्वर्णिम सफलता दिलाई। सभी खिलाड़ियों का 12 से 15 जून को देहरादून में होने वाली राष्ट्र स्तरीय कराटे प्रतियोगिता हेतु चयन किया गया। उनकी इस उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सौर शनिवार पहल : कुलपति प्रो. अर्पण भारद्वाज ने की सौर ऊर्जा से खाना पकाने की अपील

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अर्पण भारद्वाज ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की, जिसका उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य 13 (एसडीजी 13-क्लाईमेट एक्शन ÷ जलवायु कार्वाई) को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत, प्रत्येक शनिवार को सौर ऊर्जा का उपयोग करके खाना पकाने का आह्वान किया गया है, जिसे सोलर सटर्डे (सौर शनिवार) नाम दिया गया।

यह गतिविधि रसायन विज्ञान विभाग में संपन्न हुई, जिसमें विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उमा शर्मा, शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय हमेशा पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। ÷सौर शनिवार÷ पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पहल समुदाय को एक साथ आकर जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए भी प्रेरित करती है। सौर ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऊर्जा का एक अक्षय स्रोत है, जो भविष्य के लिए आवश्यक है।

उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे पहल को अपनाते हुए आज से ही अपने दैनिक जीवन सौर ऊर्जा को अपनाने का प्रयास करें। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के इस कार्यक्रम के माध्यम से शहर के निवासियों से भी अपील की कि वे हर शनिवार को सौर ऊर्जा का उपयोग करके खाना पकाएं। उन्होंने जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है और हर व्यक्ति को इसके समाधान में अपना योगदान देना चाहिए। ÷सौर शनिवार÷ पहल इसी दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास है।

प्रो. उमा शर्मा ने रसायन विज्ञान विभाग द्वारा इस पहल के आयोजन की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने छात्रों को सौर ऊर्जा के विभिन्न उपयोगों के बारे में भी जानकारी दी और उन्हें इस तकनीक को और अधिक जानने के लिए प्रेरित किया।

रसायन विज्ञान विभाग में इस पहल के समर्थन में कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें सौर कुकर का प्रदर्शन और सौर ऊर्जा से बने भोजन का वितरण शामिल था, जिसका संयोजन इतिहास व आर्कियोलॉजी की विद्वान डॉ प्रीति पांडे द्वारा किया गया। छात्रों ने भी इस पहल में उत्साहपूर्वक भाग लिया और सौर ऊर्जा के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संकल्प लिया।

तैराकी स्वस्थ जीवनशैली के लिए हुनर भी और व्यायाम भी-राहुल राठौर

उज्जैन।मां शिप्रा तैराक दल एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग उज्जैन द्वारा रामघाट पर चलाए जा रहे ग्रीष्मकालीन तैराकी शिविर में बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु तैराकी प्रतियोगिता रविवार को आयोजित की गई।जिसमें तैराकी सिख रहे बच्चों द्वारा अच्छा प्रदर्शन किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वाले प्रतिभागियों में रिद्धिश्री सावंत (गोल्ड मेडल), लीलांशी शिंदे (सिल्वर मेडल), अन्वी (ब्राउंस मेडल), जूनियर ग्रुप पुलकित बारोड़ (गोल्ड मेडल), ख़ुशी कहार (सिल्वर मेडल), निर्विघ्न सावंत (ब्राउंस मेडल), तथा सीनियर ग्रुप में भोला कहार (गोल्ड मेडल), भारती कहार(सिल्वर मेडल), तनु कहार(ब्राउंस मेडल) को मुख्य अतिथि के रूप में पत्रकार राहुल राठौर व पवन राठौर (एसडीएम ऑफिस) तथा संस्था सचिव व कोच संतोष सोलंकी व महिला प्रशिक्षक सपना माली द्वारा बच्चों को मेडल वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्था के गोताखोर सदस्य एवं गणमान्यजन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की जानकारी महिला प्रशिक्षक सपना माली ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com